ममता

संवाद पत्र

पूर्वोत्तर सीमा रेल
निर्माण संगठन

अंक 9 वर्ष : तृतीय त्रैमासिक जनवरी, 2009

महाप्रबंधक का संदेश

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण

नव वर्ष 2009 के शुभ अवसर पर मैं पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिजनों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

मैं सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ओर से यह विश्वास व्यक्त करता हूँ कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में सभी कठिनाइयों पर विजय प्राप्त कर हम इस क्षेत्र के विकास हेतु सभी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करेंगे।

मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि "संवाद पत्र" ने सफलतापूर्वक दो वर्ष पूरे कर लिए हैं। तृतीय वर्ष के पहले अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है। इस पत्रिका के माध्यम से हम पूर्वोत्तर राज्यों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं एवं उनके विकासोन्मुखी गतिविधियों से अवगत होने के साथ ही इस संगठन के प्रबुद्ध अधिकारियों, कर्मचारियों के हृदय पटल पर अंकुरित रचनात्मक अंकुरण को भी प्रस्तुत करते हैं।

श्री एस. के. विज़, सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड का पू.सी.रेल का दौरा

श्री एस.के. विज के साथ श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि. एवं वरिष्ठ अधिकारीगण

श्री एस. के. विज़, सदस्य इंजीनियरी, रेलवे बोर्ड ने 21 से 23 दिसम्बर, 2008 तक पूर्वोत्तर सीमा रेल का दौरा किया। उन्होंने 21 दिसम्बर, 2008 को श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण एवं सभी मुख्य इंजीनियरों की उपस्थिति में चालू परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राष्ट्रीय परियोजनाओं एवं पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों को जोड़ने वाली परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यातायात सुविधा की दृष्टि से महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्राथमिकता देने की सलाह दी।

श्री विज ने 22 दिसम्बर, 2008 को तावांग, अरूणाचल प्रदेश का दौरा किया तथा इस राज्य में चालू परियोजनाओं एवं सर्वेक्षणों की प्रगति की समीक्षा की।

पू.सी. रेल/निर्माण संगठन किसी भी प्रकार के आतंकवाद की तीव्र भर्त्सना करता है तथा असम, मुंबई एवं सम्पूर्ण देश में आतंक के शिकार हुए निर्दोष लोगों के प्रति अपनी भाव भीनी श्रद्धांजलि और संवेदना अर्पित करता है।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री शिव कुमार	श्री बकरीदन	श्री एस. बेहेरा	श्री शरद विधु शुक्ल
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

जलपान गृह का जीर्णोद्धार

जलपान गृह के उद्घाटन के दौरान श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि., श्री बकरोलन, भंडार नियंत्रक/नि. एवं वरिष्ठ अधिकारीगण

निर्माण संगठन के जलपान गृह का पुनर्निर्माण एवं जीर्णोद्धार करके श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण के कर कमलों द्वारा दिनांक 27.10.08 को खोला गया । इस जीर्णोद्धार के साथ ही, निर्माण संगठन के अधिकारियो एवं कर्मचारियों की दोपहर के खाने की जटिलता दूर हो गई है । इस कार्य की अधिकारियों एवं कर्मचारियों, विशेषरूप से जो फील्ड यूनिटों से आते हैं, द्वारा काफी सराहना मिली है।

कार्यकारी निदेशक/कार्य, रेलवे बोर्ड का मालीगांव दौरा

दिनांक 02-12-2008 को कार्यकारी निदेशक/कार्य, रेलवे बोर्ड ने अपने मालीगांव दौरे के दौरान निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा पिछले एक वर्ष में संगठन द्वारा प्राप्त की गई उपलब्धियों पर बोर्ड की प्रशंसा जाहिर की।

कर्मचारी कल्याण

1. छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को सरकार की स्वीकृति मिलते ही पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण ने इसके क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभायी है । अधिकारियों तथा कर्मचारियों को सितम्बर, 2008 में ही संशोधित वेतन एवं 40% बकाया राशि का भुगतान कर दिया गया ।

2. 2007-08 का बोनस तथा 2006-07 के बकाया बोनस का भुगतान भी दुर्गा पूजा के पहले कर दिया गया ।
   यह समयबद्ध भुगतान इस संगठन के कर्मचारी कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है ।

शक्तियों का प्रत्यायोजन (एस. ओ.पी.)

पू.सी.रेल निर्माण संगठन में पहली बार भंडार, स्थापना, जनसम्पर्क एवं सामान्य मामलों से संबंधित शक्तियों का प्रत्यायोजन (एस.ओ.पी.) तैयार कर लागू किया गया ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाते श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि.

दिनांक 03.11.08 से 07.11.2008 तक संगठन में सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता जागरूकता की शपथ दिलाई।

कौमी एकता सप्ताह का आयोजन

कौमी एकता की शपथ दिलाते श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि.

दिनांक 19-11-08 को पूर्व प्रधान मंत्री स्वर्गीय इन्दिरा गांधी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कौमी एकता की शपथ दिलाई। दिनांक 19.11.08 से 25.11.08 तक संगठन में "कौमी एकता सप्ताह" मनाया गया एवं भारत सरकार के निदेशानुसार राष्ट्रीय साम्प्रदायिक सद्भाव प्रतिष्ठान के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से 5195/- रूपये एकत्र कर भारत सरकार के इस प्रयास में अपना योगदान दिया ।

असम सरकार के मुख्य सचिव के साथ बैठक

दिनांक 06-11-08, 01-12-08 तथा 30-12-08 को मुख्य सचिव, असम सरकार के साथ बैठक की गई,जिसमें बोगीबिल सेतु परियोजना एवं लमडिंग-सिलचर आमान परिवर्तन परियोजना के कार्यस्थलों पर सुरक्षा सम्बन्धी समस्याओं पर विचार-विमर्श किया गया।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चौथी बैठक

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चौथी बैठक में माननीय सांसद श्री फुरकान अंसारी एवं श्री हामिद अली, प्रेक्षक तथा श्री शिव कुमार, महाप्रबन्धक/नि., श्री बकरीबन, मुराधि/नि. एवं श्री एस. बेहेरा, उमुराधि/नि.

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण की अध्यक्षता में दिनांक 31.12.2008 को वर्ष की चौथी राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा के प्रचार-प्रसार से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया । रेलवे बोर्ड द्वारा नामित प्रेक्षक माननीय सांसद श्री फुरकान अंसारी एवं श्री सैयद हामिद अली भी उपस्थित हुए । बैठक में संगठन के वेबसाईट के द्विभाषी संस्करण का उद्घाटन माननीय सांसद श्री फुरकान अंसारी के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ जो राजभाषा के प्रचार-प्रसार में संगठन की एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। माननीय प्रेक्षक श्री सैयद हामिद अली के द्वारा उपस्थित सदस्यों के बीच मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित प्रशासनिक शब्दावली के वितरण का शुभारम्भ किया गया जिससे कार्यालयीन पत्राचार आदि में प्रशासनिक शब्दों के चयन में उन्हें सहूलियत हो । अंत में दोनो प्रक्षेकगणों ने नियमित, सुचारू एवं सफल बैठक संचालन के लिये संगठन को बधाई देते हुए नव-वर्ष की शुभकामनाएँ दी। तत्पश्चात महाप्रबंधक/निर्माण द्वारा नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ बैठक सम्पन्न हुई ।

हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

हिन्दी कार्यशाला का एक दृश्य

दिनांक 23.10.08 तथा 24.10.2008 को संगठन के मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर के सम्मेलन कक्ष में दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला में कर्मचारियों को नोटिंग, ड्राफ्टिंग तथा राजभाषा हिन्दी के कार्यालयीन प्रयोग पर आमंत्रित प्रध्यापकों द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किये गये जिसमें कर्मचारियों ने काफी उत्सुकता से भाग लिया । उनकी इस उपस्थिति एवं लगाव को देखकर राजभाषा विभाग काफी उत्साहित है तथा ऐसी कार्यशालाएँ लगातार आयोजित करने का प्रयास कर रहा है ।

रेलवे बोर्ड द्वारा सामूहिक पुरस्कार

उतकृष्ट कार्य सम्पादन हेतु रेलवे बोर्ड द्वारा पूर्वोत्तर सीमा रेलवे निर्माण संगठन को 10 लाख रूपये का सामूहिक पुरस्कार दिया गया है।

राजभाषा के प्रचार-प्रसार का प्रयास

इरिसेन, पुणे द्वारा राजभाषा में प्रकाशित "कंक्रीट टेक्नोलॉजी" विषय पर श्री घनश्याम बंसल द्वारा लिखित एवं राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत पुस्तक की 200 प्रतियाँ मंगवा कर संगठन में कार्यरत सिविल इंजीनियरिंग के अधिकारियों एवं पर्यवेक्षकों में वितरित की गई हैं जिससे कि हिन्दी में भी तकनीकी विषय को आत्मसात करने तथा हिन्दी में कार्य करने की प्रेरणा मिले ।

हिन्दी शब्दों के उपयुक्त चुनाव के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित प्रशासनिक शब्दावली की 100 प्रतियां मंगवा कर कार्यालय तथा फील्ड यूनिट के सभी अधिकारियों में वितरित की गई है जिससे कि उन्हें हिन्दी में काम करने में सुविधा मिले ।

रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार इस संगठन की वेबसाइट को द्विभाषी कर लिया गया है ।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों का विदाई समारोह

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के साथ श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/नि., श्री राधे श्याम, मु.प्र.अधि./नि., श्री बकरीबन, मुकाधि/नि तथा अन्य अधिकारीगण.

इस संगठन की परिपाटी को कायम रखते हुए माह के अंतिम दिन सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति का भुगतान (फाइनल सेटलमेंट के कागजात) श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण के कर कमलों द्वारा प्रदान किया गया । साथ ही सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महाप्रबंधक/निर्माण द्वारा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक भी प्रदान किये गये । इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक/निर्माण महोदय के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण तथा कार्यालय के कर्मचारी भी शामिल हुए ।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

कुमारघाट-अगरतला नई लाइन (109 कि.मी.)

दिनांक 27.12.2002 को कुमारघाट से मानु तक (20 कि.मी.) रेल सेवा चालू की गई थी। मानु-अगरतला तक (89 कि.मी.) खंड में दिनांक 05-10-08 से यात्री गाड़ी का शुभारम्भ किया गया।

बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी एवं दक्षिणी तट पर लिंक लाइन सहित रेल सह सड़क पुल :

दिनांक 28/29 अक्टूबर को आकस्मिक बाढ़ के कारण 3 दिनों तक सम्पूर्ण कार्य स्थल जलमग्न रहा तथा अस्थायी सम्पादित कार्य क्षतिग्रस्त हो गये । आकस्मिक बाढ़ के कारण नदी की आकृति में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है । भू क्षरण के कारण साऊथ मेन चैनल दक्षिण तट की ओर शिफ्ट हो गये हैं एवं बांध के ऊपरी द्वीप में दरार पड़ गयी है ।

बोगीबिल राष्ट्रीय परियोजना के कार्यस्थल में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ।

तटबन्धों, छोटे एवं बड़े पुलों, बोल्डर संग्रह, बांधों के उत्थान का निर्माण एवं मजबूतीकरण का कार्य प्रगति पर है। परियोजना के लिए आवश्यक (505.24 हेक्टेयर) भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है । कुल 296.73 लाख क्यूबिक मीटर में से 198.42 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 70 कि. मी. में से 59.5 कि. मी. गठन, 19 अदद बड़े पुलों में से 17 की उप संरचनाओं एवं 13 अधिसंरचनाओं तथा 98 में से 90 छोटे पुलों, 15 में से 10 आर ओ बी/आर यू बी, 2.44 लाख क्यूबिक मीटर में से 1.246 लाख क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति, 21.34 लाख क्यूबिक मीटर में से 20.52 लाख क्यूबिक मीटर बोल्डर आपूर्ति, 53 लाख वर्ग मीटर में से 39.45 लाख स्क्वायर मीटर 4 एम एम जी आई तार की लंगोचा वाली जाली एवं कुल 10500 एम टी में से 7634 मैट्रिक टन जी आई तार की उपलब्धता की संचयी प्रगति रही ।

बोगीबिल पुल की उप संरचना के निर्माण के सम्बन्ध में ब्रह्मपुत्र नदी के दोनों किनारों पर मैसर्स गेमन इंडिया लिमिटेड ने कार्य शुरू कर दिया है। दक्षिणी एवं उत्तरी तटों पर गढ़ाई के लिए किनारे का कटाव, नक्काशी तथा शटरिंग का कार्य शुरू कर दिया गया है।

जिरिबाम से तुपुल तक नई बड़ी लाइन (98 कि.मी.)

जिरीबाम-तुपुल नई लाइन परियोजना की कुल 98 कि. मी. में से फाइनल लोकेशन सर्वे की संचयी प्रगति 68 कि.मी. है तथा कुल 98 कि. मी. में से भू-तकनीकी जांच 19 कि. मी. रही। सर्वे कार्य मानसून के बाद प्रारम्भ हो गया है। मणिपुर के तामेंगलांग जिले में 0.00 से 10 कि.मी. तक 95 हेक्टर भूमि प्राप्त की गई। 83.4 से 95.8 कि.मी. तक (तामेंगलांग जिला) एवं 95.8 से 97.9 (सेनापति जिला) तक भू-अधिग्रहण के लिए प्राक्कलन अनुमोदन हेतु राज्य सरकार को सौंपा गया है। दिसम्बर, 2008 तक 34 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य एवं 6 छोटे पुलों की संचयी प्रगति प्राप्त की गई है। तुपुल छोर से 16.6 कि. मी. की दूरी तक भू-कार्य एवं छोटे पुलों के लिए निविदा मंजूर की गयी एवं 03-12-08 से तुपुल छोर से कार्य प्रारम्भ किया गया । बड़े पुलों के लिए तीन निविदायें आमंत्रित की गई ।

आजरा से बरनीहाट तक नई बड़ी लाइन (30 कि. मी.)

फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रगति पर है। यद्यपि, दिनांक 10-11-2007 से स्थानीय लोगों के विरोध के कारण अनुमोदित संरेखण के असम भाग में सर्वे का कार्य स्थगित है। तथापि राज्य सरकार को इस विषय के बारे में सूचित कर सर्वे कार्य के लिए सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया गया। भूबन्दोबस्त अधिकारी के साथ मिलकर आजरा छोर से 9.0 कि.मी. तक की सम्भावित भू-योजना तैयार कर ली गयी तथा राजपत्र में अधिसूचित करने के लिए एस डी ओ/कामरूप को सौंप दिया गया है। दिनांक 27-06-08 एवं 22-07-08 को क्रमशः राजपत्र अधिसूचना एवं समाचार पत्र में प्रकाशन जारी किया गया। भूमि अधिग्रहण अधिनियम के सेक्शन 5(1) के अधीन अभ्यावेदन आमंत्रण हेतु आगे की अधिसूचना जारी कर दी गयी एवं उसकी उपायुक्त/कामरूप द्वारा देख रेख की जा रही है, उसके निपटान के बाद ही भूमि अधिग्रहण के लिए सेक्शन 6(1) के अधीन आगे की अधिसूचना जारी की जाएगी। बरनीहाट छोर से 12 कि.मी. तक सर्वे कार्य पूरा किया गया । बरनीहाट छोर से भू-अधिग्रहण की तैयारी हेतु संयुक्त सर्वेक्षण प्रगति पर है तथा 12 कि.मी. तक पूरा कर लिया गया है। मेघालय भाग का भू-सर्वेक्षण पूरा हो चुका है। असम सरकार से पुष्टि उपरान्त जिरात आदि की तैयारी के साथ ही विस्तृत सर्वेक्षण बन्दोबस्ती अधिकारी के साथ संयुक्त रूप से संचालित किया जाएगा जो अभी भी प्रतीक्षित है।

दिमापुर से जुब्जा तक नई बड़ी लाइन (88 कि.मी.)

राज्य सरकार ने कोहिमा तक लाइन को बढ़ाने का आग्रह किया है। दिनांक 29-02-08 को फाइनल लोकेशन सर्वे हेतु संविदा राइटस को प्रदान की गई। नागालैंड सरकार ने दिनांक 7-08-08 के पत्र संख्या-टी पी टी/रेल-9/97(भाग) के तहत तकनीकी साध्य सम्भावित संरेखण को अनुमोदित कर दिया है। दिनांक 30.10.08 को मेसर्स राइट्स लिमिटेड ने कार्य शुरू कर दिया है। नागालैंड सरकार द्वारा प्रारम्भिक स्तर पर सर्वे दल को सुरक्षा मुहैया करा दी गई है परन्तु इसमें और अधिक बढ़ोत्तरी की आवश्यकता है। अस्थायी सुरक्षा कैंप तक अस्थायी पहुँच सड़क के निर्माण एवं अंतिम स्थान सर्वेक्षण के अनुषंगी कार्यों के लिए निविदा अन्तिम चरण में है। डी. ई. एम. के साथ दीमापुर से कोहिमा तक के सैटेलाइट प्रतिकृति को संरेखण निर्धारण हेतु राइट्स को भेज दिया गया है। 0 कि. मी. से 40 कि. मी. तक अन्तिम संरेखण पूरा हो चुका है। विस्तृत वृतान्त संग्रह किये जा रहे हैं।

अगरतला से सबरूम तक नई बड़ी लाइन (110 कि.मी.)

2008-09 में स्वीकृत यह नया कार्य है। निर्माण पूर्व के क्रियाकलापों तथा भूतकनीकी अन्वेषण का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया गया। मेसर्स राइट्स प्राइवेट लिमिटेड को फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण एवं भूतकनीकी अन्वेषण कार्य सौंप दिया गया है तथा दिनांक 15.10.08 को कार्य शुरू हो चुका है। 5 कि. मी. का फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण पूरा किया गया। अत्यधिक वनस्पति, रबड़ रोपण एवं लहरदार तराई के कारण कार्य प्रगति प्रभावित हुई है।

भैरवी से साईरंग तक नई बड़ी लाइन (51.38 कि.मी.)

यह एक नया कार्य है जिसे वर्ष 2008-09 में स्वीकृत किया गया। निर्माण पूर्व क्रियाकलाप तथा भूतकनीकी जांच के लिए आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत किया गया। मेसर्स राइट्स लिमिटेड को फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण एवं भूतकनीकी जाँच कार्य सौंप दिये गये हैं। दिनांक 03-12-08 से सर्वेक्षण का फील्ड वर्क शुरू कर दिया गया है।

2008-2009 का परिव्यय

2008-2009 का परिव्यय

♦ अतिरिक्त बजटीय सहायता सहित रेलवे बजट	=	1373.49 करोड़ रूपये
♦ निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय)	=	11.94 करोड़ रूपये
कुल	=	1385.43 करोड़ रूपये
खर्च		
♦ दिसम्बर, 2008 के दौरान खर्च	=	157.36 करोड़ रूपये
	+	0.24 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	157.60 करोड़ रूपये
♦ दिसम्बर 2008 तक संचयी खर्च	=	892.03 करोड़ रूपये
	+	6.19 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	898.22 करोड़ रूपये
परिव्यय का % खर्च	=	64.83 %

वर्ष 2008-09 की लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति
♦ कटिहार-जोगबानी (आमान परिवर्तन)	कार्य पूरा करके इस सेक्शन को दिनांक 04-06-08 को चालू कर दिया गया है।
♦ मानु-अगरतला (नई लाइन)	सेक्शन खोल दिया गया है।
♦ रौनपुवा-शिलघाट (आमान परिवर्तन)	कार्य पूरा हो गया है। सी आर एस निरीक्षण पूरा कर लिया गया है। सेक्शन खुलने के लिये तैयार है।
♦ झउआ क्रासिंग स्टेशन	31.12.08 को कार्य पूरा कर के चालू कर दिया गया है।

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
♦ कटिहार यार्ड का पुनर्निर्माण	कार्य पूरा कर चालू कर दिया गया है।	
♦ कामाख्या स्टेशन में कोचिंग की सुविधा (फेस-II)	60 %	मार्च, 09

वर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
♦ न्यू बंगाईगांव में वर्कशॉप का आधुनिकीकरण	100 %	कार्य पूरा कर लिया गया।
♦ न्यू गुवाहाटी डीजल शेड का विस्तार	90 %	दिसम्बर, 08
♦ कामाख्या जं- कोच रख-रखाव के लिए उप ढांचा का विकास	40 %	मार्च, 09
♦ किशनगंज-ट्रेन परीक्षण सुविधा	43 %	मार्च, 09

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

	प्रगति	लक्ष्य
♦ कटिहार-मालदा-गुवाहाटी के बीच मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार प्रणाली	गुवाहाटी-न्यू बंगाईगांव सेक्शन पर चालू हो गया है तथा न्यू बंगाईगांव-न्यू जलपाईगुड़ी एवं कटिहार-मालदा सेक्शन में ट्रायल किया गया तथा फाइनल स्टेज में है।	31 दिसम्बर 2008
♦ रंगिया मंडल में 14 स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग	13 स्टेशन चालू कर दिया गया है। 1 स्टेशन का कार्य प्रगति पर है।	31 मार्च 2009
♦ कामाख्या के इर्द-गिर्द 4 ब्लॉक सेक्शन में बी. पी. ए. सी. कार्य (पू. सी. रेल में प्रथम बार)	कामाख्या-आगथोरी सेक्शन चालू किया गया। शेष सेक्शन में कार्य प्रगति पर है।	31 मार्च 2009

सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1	बरनीहाट से शिलांग तक नई लाइन	2007-08	मेघालय	100 %	पूरा कर लिया गया है।
2	जोगीघोपा-पंचरत्न से सिलपर तक नई लाइन	2007-08	असम तथा मेघालय	100 %	पूरा कर लिया गया है।
3	रंगपो से गेंगटाक	2007-08	सिक्किम	30 %	मार्च, 2009
4	जोगबनी (भारत) से विराटनगर (नेपाल)	2007-08	बिहार (भारत) व नेपाल	15 %	मार्च, 2009
5	रूपाई से महादेवपुर, नामशेई चेंगखाम(अ.प.) होकर परशुरामकुंड तक (103 कि.मी.) नई लाइन का आर ई टी द्वारा सर्वेक्षण	2007-08	असम तथा अरूणाचल प्रदेश	35 %	मार्च, 2009

स्वागत

1. श्री सुनील सिंह ने दिनांक 06.10.08 उप मुख्य इंजीनियर/ निर्माण/ जोगीघोपा का पदभार ग्रहण किया।

2. श्री श्याम सुन्दर, ने दिनांक 26.11.08 को मुख्य इंजीनियर/ निर्माण-II का पदभार ग्रहण किया।

3. श्री टी.पी.आर. नारायण राव ने दिनांक 15.12.08 को मुख्य इंजीनियर/निर्माण-VIII का पदभार ग्रहण किया।

स्थानांतरण

1. श्री शैलेन्द्र प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग-IV का दिनांक 30.09.08 का उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/ अगरतला के पद पर स्थानांतरण हुआ।
2. श्री एफ.एस. मीणा, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/अगरतला का दिनांक 04.10.08 उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/ लामडिंग-II के पद पर स्थानांतरण हुआ।
3. श्री एस. कनौजिया, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/II/लामडिंग का दिनांक 05.10.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/नॉर्थ लखीमपुर के पद पर स्थानांतरण हुआ।
4. श्री प्रदीप कुमार, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/जोगीघोपा का दिनांक 15.10.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/सिलचर-IV के पद पर स्थानांतरण हुआ।
5. श्री एस. अग्रवाल, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-II का दिनांक 24.11.08 को दक्षिण मध्य रेल में स्थानांतरण हुआ।
6. श्री पी. के. डेका, उप वित्त सलाहकार एवं मुलेधि/निर्माण/ सिलचर का दिनांक 28.11.08 को उप वित्त सलाहकार एवं मुलेधि/निर्माण-III/मालीगांव के पद पर स्थानांतरण हुआ।
7. श्री ज्ञानेंद्र कुमार, मंडल बिजली इंजीनिर/कटिहार का पदोन्नती पर दिनांक 19.12.08 को पू.सी. रेल मुख्यालय में स्थानांतरण हुआ।

पदस्थापन

1. श्री पी.के सिंह, कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग ने पदोन्नती पर दिनांक 27.11.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/लामडिंग-III का पदभार ग्रहण किया।
2. श्री रेनिए इटे, कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/3/सिलचर ने पदोन्नती पर दिनांक 27.11.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/जिरिबाम का पदभार ग्रहण किया।
3. श्री एम.वी प्रसाद, कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/ डीबीआरटी-II ने पदोन्नती पर दिनांक 28.11.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/डीबीआरटी-II का पदभार ग्रहण किया।
4. श्री सुखवीर सिंह, कार्यपालक इंजीनियर/निर्माण/ अलीपुरद्वार ने पदोन्नती पर दिनांक 05.12.08 को उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/इम्फाल का पदभार ग्रहण किया।

बंगाईगांव में सड़क ऊपरी पुल का उद्‌घाटन

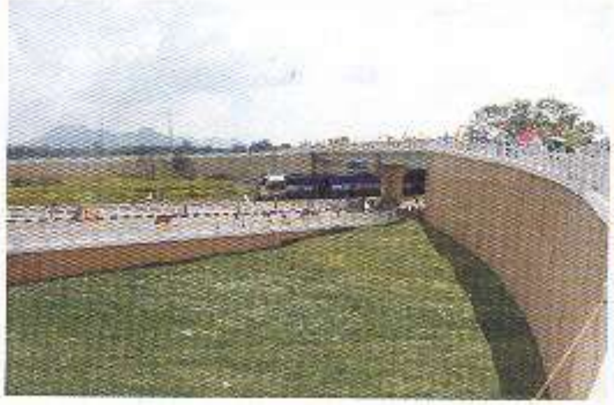

दिनांक 26.09.2008 को असम के माननीय मुख्य मंत्री श्री तरुण गोगई ने बंगाईगांव में सड़क ऊपरि पुल का उद्‌घाटन किया। इस पुल के चालू होने से यातायात में काफी सुविधा हुई है।

श्रद्धांजलि

(i) दिनांक 20.11.2008 को परिचालन विभाग के श्री घनश्याम शर्मा, यातायात निरीक्षक, का ड्यूटी के दौरान दुर्घटनावश निधन हो गया। स्वर्गीय शर्मा की आत्मा की शांति के लिए दिनांक 21.11.08 को संगठन में शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

(ii) दिनांक 11.12.2008 को निर्माण संगठन के श्री ए.के. चौबे, अनुभाग इंजीनियर/पी.वे/नि./कटिहार का स्वर्गवास हो गया। दिनांक 12.12.08 को संगठन में एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

(iii) दिनांक 22.12.08 को वरिष्ठ अनुभाग इंजीनियर/निर्माण/ सिलचर श्री हिरण्य कलिता का दिल का दौरा पड़ने से देहांत हो गया। दिनांक 23.12.08 को संगठन में एक शोक सभा आयोजित की गई, जिसमें सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए तथा दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस प्रकार इस संगठन ने अपने तीन कर्त्तव्यनिष्ठ एवं कर्मठ कर्मचारियों को खो दिया जिनकी कमी इस संगठन को हमेशा महसूस होती रहेगी।

मिसिंग समाज का फागुन उत्सव - 'आलि आई लिगांग'

गायत्री मिलि

फागुन माह ! लाल सिमल के फूल से पूरी प्रकृति लालित्यम्य हो उठी है। आकाश के साथ ही युवक-युवतियों का मन भी प्रफूल्लित होने का समय... । प्रकृति अपने नये हरे-लाल कपड़ों में सजकर झूम उठी है। ऐसे ही समय में मिसिंग समाज भी कमरबंध बांधकर निकलते हैं। युवक-युवतियों, बच्चे-बूढ़ों सभी का लक्ष्य इस समय नये खेतों की तरफ होता है, जहां उनके पूर्वजों ने शांति का झरना बहाया था। एक नया समाज बनाने के स्वप्न में उन लोगों ने प्रकृति से प्रार्थना की थी।

मिसिंग जनजाति असम की एक अग्रज संतान है जिसका एक पुराना इतिहास है। मिसिंग लोग तिब्बत के मंगोल अर्थात मंगोलीयन जाति की एक शाखा विशेष के रूप में जानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि आर्य लोगों के यहां आकर बसने से पहले से ही बड़ो, कछारी,गारो , चूटिया, आबर आदि अन्य 14 गोष्ठी के मंगोलीयन यहां आए थे और इन्ही गोष्टीयों से मिसिंग जनजाति की सामंजस्यता है। परन्तु इन 14 जन गोष्ठीयों के आने के बहुत बाद में ये असम आये थे। उससे पहले वर्तमान के अरूणाचल प्रदेश में ही इनका सदियों तक प्रवास करने का प्रमाण है। अभी भी आदि मिसिंग (Hill Miri) के नाम से ये लोग अरूणाचल प्रदेश में पाये जाते है। प्राचीन काल में चीन साम्राज्य के किसी अंचल में ये लोग रहते थे। किन्तु पर्यावरण तथा ऐतिहासिक कारणो से वर्तमान के अरूणाचल प्रदेश तथा असम की समतल भूमि में आकर रहने लगे। बहू प्रतिकूल परिवेश के बीच में भी इन्होने अपनी जनजाति की परंपरा और सांस्कृतिक पहचान और भाषा आदि को जीवित रखा है। स्वभाव से शांतिप्रिय, सरल मिसिंग समाज के लोगों ने अपने को आधुनिक जनसमागम से दूर रखकर प्रकृति के बीच अपना एक अलग परिचय बनाये रखा है ।

मिसिंग जनजाति के मुख्य उत्सव "आलि आई लिगांग" प्रकृति प्रेम और प्रकृति के साथ बंधन का ही एक अन्यतम स्वरूप है। फागुन माह के प्रथम बुधवार से आरंभ होता है यह उत्सव। इस उत्सव के प्रथम दिन ही बीज रोपण कर पृथ्वी केशस्य-श्यामला होने की कामना की जाती है। इस उत्सव की प्रधान चीजे हैं तालर्लिग पत्ते (एक तरह का पत्ता) में बंधा हुआ भात, बड़ा धान या कोमल चावल, अंडा, कपास, पीरो (एक तरह की जंगली घास), पोरो आपोंग (चावल से बनायी गई काली रंग की मदिरा)आदि। उत्सव के दिन एक अच्छी किस्म के चावल को पानी में भिगो के तालर्लिग पत्ते में बांधकर पकाया जाता है जिसे "पुरांग" के नाम से जाना जाता है। काली किस्म की "आपोंग" भी बनायी जाती है और साथ ही मास-मछ्ली से तैयार किये गये विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों के साथ ही उड़द के दाल से बने व्यंजन आदि पकाये जाते हैं। उस दिन परिवार के मुखिया अपने खेतो में 2 से 3 वर्ग फीट के नाप के छोटी सी जमीन पर जाकर पीरो नाम की घास की टहनियों को उस जमीन के चारों कोनों में बांध देते हैं। फिर मुट्ठी भर आहू धान लेकर उस भूमि पर फैलाकर अपने श्रृष्टि के देवता दोनी-पोलो, कारसिंग-कारताक, कीड़ा-मकोड़े (मातृ-सूर्य, पितृ-चन्द्र, वरूण-वृष्टि, माते-वसूमती) को प्रणाम करते हैं और कहते हैं आप सभी को साक्षी मानकर आज से हम बीज रोपण का कार्य आरंभ कर रहे हैं। आप लोग हमारे खेतों को फल-फूल से सम्पन्न व ज्योतिष्कार कर देने का आशीर्वाद प्रदान करें। तत्पश्चात घर जाकर "आपोंग" की कुछ बुंदे और "पुरांग" को "मेराम" (आग जलाने वाले स्थान) पर अपने पुर्वजों के नाम पूजा/प्रार्थना करके अर्पित करते है। फिर सभी पत्ते में बंधा हुआ भात और मछली-मांस और साथ में उड़द की दाल और "आपोंग" का लुफ्त उठाते हैं। इसी उत्सव में घर-घर जाकर गुमराग पाकसंग (बिहू के उपलक्ष्य में किये जाने वाला नृत्य-गीत) का भी आयोजन किया जाता है। ये नृत्य गोल-गोल घुमकर नाचे जाते है तथा धन-दौलत एवं उर्वरता की देवी को खुश करने के लिए भोर तक किया जाता है। इसमें युवक-युवतियों के साथ ही बच्चे-बूढ़े भी जोर-शोर से भाग लेते हैं। इस नृत्य में ढोल, मंजीरे, बांसुरी आदि बजायी जाती हैं। इन दिनों खेतो में कोई भी काम नही किया जाता है। ये वर्जना (Taboo) 3 दिनों तक चलती है और चौथे दिन "लिगांग लीगलेन" (पूर्जा-अर्जना) करने के बाद खत्म होती है।

उत्पत्ति की आदि कथा -

मिसिंग लोग प्राचीन काल में पहाड़ों पर बसते थे। प्रकृति से उत्पन्न होने वाले फल-मू ल और आलू आदि ही इन लोगों के जीवन यापन का साधन था। लेकिन उनके पुवर्जो ने अनुभव किया कि सहज रूप में उपलब्ध होने वाले ये फल-मूल, आलू आदि धीरे-धीरे विलुप्त होने लगे है। इन्ही प्राकृतिक सम्पदाओं की खोज में उन्हे दूर-दूर तक पहाड़ों को खोदना पड़ा और अचानक एक दिन इन लोगों को आंख से दिखाई दिया बसन्त से भरपूर इस सु-मधुर पृथ्वी का वह हरा-भरा दृश्य। बसन्त के आगमन से पेड़-टहनियाँ फूल-पत्तों से सुशोभित हुए तथा उनके बीजों से कोमल भूमि पर अंकूरित हो उठा आलू- कच्चू आदि। इसी को देखते हुए उन्होने अपने श्रृष्टिकर्ता चन्द्र-सूर्य और पूर्वजों को साक्षी मानते हुए पहाड़ की भूमि पर आलू-कच्चू रोपण करना आरंभ कर दिया। उन लोगों को आश्चर्यचकित कर कुछ दिनों के बाद धरती से ये बीज अंकूरित हुए। इस कामयाबी पर वे प्रफूल्लित हो आनन्द में मदहोश हो गये और इसी प्रकार प्रति वर्ष एक ही समय पर इसकी पुनरावृत्ति हुई। बहूत समय तक इन लोगों ने पहाड़ की कोमल जमीन पर बसन्त काल में विभिन्न प्रकार के आलू-काठआलू, मेवाआलू, मिठाआलू, सिमल आलू के अलावा कनि धान, गाम धान (धान की प्रजाति) आदि की खेती करने पर ही गुरूत्व दिया। क्योंकि इस तरह की खेती-बारी में अधिक जमीन की जरूरत नही थी और तुलनात्मक रूप से यह कम कष्टदायक भी था। इस प्रकार कृषि कार्य के आरंभ से ही हुआ - "आलि आई

लिगांग" । जिसका अर्थ है- "आलि" मतलब आलू या मूल जाति का फल, "आई" माने बीज और "लिगांग" माने रोपण प्रक्रिया की शुरुआत करना।

एक दिन मिसिंग जन-जाति के लोगों का अनाज की खोज में पहाड़ से समतल पर आगमन हुआ और ब्रह्मपुत्र नद व इसकी उप नदियों के किनारे-किनारे उर्वर भूमि पर रहने लगे। खाली झूम खेती तक ही सीमित न होकर बृहत परिसर में खेती करना आरंभ की और विभिन्न कृषिजात सामग्री उत्पादन करने लगे। इसी तरह एक दिन पूर्व के बीज रोपण का मांगलिक कार्य सामूहिक उत्सव में रूपान्तरित हुआ।

अतं में यह कहा जा सकता है कि देश के आर्थिक इतिहास में मिसिंग लोगों ने एक विशिष्ट भूमिका निभाई है। यह जनजाति पूर्वोत्तर के ट्राइबेल (Tribal) जनसंख्या के एक महत्त्वपूर्ण भाग के रूप मे जानी जाती है। मिसिंग लोग हमेशा से अल्पभाषी, शांत तथा आशावादी प्रकृति के रहे हैं। उन्होंने इस क्षेत्र की प्राचीन एवं मध्यकालीन राजनीति और अर्थनैतिक स्तर पर काफी निर्णायक भूमिका निभाई। यह जनजाति अपने आस-पास व समाज में आए आधुनिक विकास के प्रति काफी जागरूक हुयें है तथा हाल के दिनों में उन्होने अपने आर्थिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्रों में काफी प्रगति की है।

बधाई/शुभकामनाएं

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

01 जनवरी, श्री के. वी. याईपेई, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी/नि.।
01 जनवरी, श्री पी.के. साफी, उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/निर्माण
02 जनवरी, श्री सोनेलाल, उप मुख्य परिचालन प्रबंधक/नि.
03 जनवरी, श्री ए. कछारी, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-II/सिलापथार
01 फरवरी, श्री एस. के. बर्नवाल, उप मुख्य इंजीनियर/नि/।/सिलापथार
08 फरवरी, श्री एच.एस. राणा, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मालीगांव
01 मार्च, श्री एम. घोष राय, उप मुख्य इंजीनियर/नि/शर्द
15 मार्च, श्री गुरदयाल सिंह, मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि-II

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

07 फरवरी, श्री के सिंगसन, उप मुख्य सि. एवं दू.संचार इंजी./नि./टेली
10 फरवरी, श्री एच. सी. सेनापति, उप मुख्य इंजी/नि/वर्क्स
15 फरवरी, श्री आर.एल. मीणा, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-V
15 फरवरी, श्री एस. प्रभु, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/न्यू जलपाईगुड़ी
18 फरवरी, श्री एच.एस. राणा, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/मालीगांव
20 फरवरी, श्री अजय प्रधान, महाप्रबंधक/निर्माण के सचिव
22 फरवरी, श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण
26 फरवरी, श्री एस. प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/अगरतला
27 मार्च, श्री जी. सिंह, मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर/नि-II

कविता

आँसू

उमेश मधुकर गजभिये

आँख से आँसू बहना बंद हो गया।
हादसों को सहना मुकद्दर हो गया।

वो भी क्या दिन थे,
जब लोग सादगी से जी लेते थे,
शांती से रह लेते थे,
अब ना वो आदमी रहा ,
ना वो सादगी,
ना वो शांति,
क्यों इस तरह वक्त बदल गया
आँख से आँसू बहना बंद हो गया
हादसों को सहना ही मुकद्दर हो गया।

आसमा का जमीन से मिलन था ,
सरीताओ का सागर से मिलन था,
सब के लिए,
दिलों में प्यार था,
क्यों भारत वासियों को आंतक रूला गया,
आँख से आँसू बहना बंद हो गया।
हादसों को सहना ही मुकदर हो गया।

हम इन्सान चाहे तो,
पलभर में धरती को खाक में मिला दे,
हम इन्सान चाहे तो,
पल भर में धरती को स्वर्ग बना दे,
सबकुछ इन्सान के हाथों में है,
क्यों इन्सान "इन्सानीयत" भूल गया,
आँख से आँसू बहना बंद हो गया।
हादसों को सहना ही मुकद्दर हो गया।

शब्द-ज्ञान

Data processing	डाटा प्रक्रमण
Date of maturity	पूर्णता तिथि
Date of receipt	प्राप्ति तिथि
Dead lock	गतिरोध
Decategorization	कोटि निरसन
Deficit	घाटा, कमी
Defy	अवज्ञा करना
Dilemma	दुविधा
Diglot edition	द्विभाषिक संस्करण
Dies non	अकार्य दिवस

राजभाषा अनुभाग/निर्माण की ओर से वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी/निर्माण द्वारा प्रकाशित, दूरभाष : 2572794, 94355-80807
मुद्रक : दास आफसेट एण्ड आफसेट प्रेस, मालीगांव, गुवाहाटी-781012, दूरभाष : 98641-01486, 94351-45284